भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या **778**

जिसका उत्तर शुक्रवार, 26 जुलाई, 2024/4 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाना है।

सामान्य यूरिया के स्थान पर नैनो यूरिया का प्रयोग

778. डॉ. आलोक कुमार सुमन:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के पास सामान्य यूरिया के स्थान पर नैनो यूरिया का उपयोग करने का कोई प्रस्ताव है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार को उक्त पहल के कार्यान्वयन में कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ा है; और
(घ) यदि हां, तो विशेषकर बिहार में तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (घ): सामान्य यूरिया के स्थान पर नैनो यूरिया का उपयोग करने का ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। तथापि, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने सूचित किया है कि नैनो यूरिया के प्रायोगिक परीक्षणों से पता चला है कि सामान्य यूरिया की अनुशंसित आधारिक खुराक के साथ टॉप-ड्रेसिंग के रूप में नैनो यूरिया के दो छिड़काव से सामान्य यूरिया की पूर्ण अनुशंसित खुराक के साथ प्राप्त उपज के बराबर उपज प्राप्त हुई जिसमें 3-8% तक का उपज लाभ और विभिन्न फसलों में 25-50% तक की यूरिया की बचत हुई।

नैनो यूरिया को अगस्त 2021 में एफसीओ के अंतर्गत अनुमोदित किया गया। अब तक कलोल (गुजरात), फूलपुर (उत्तर प्रदेश), आंवला (उत्तर प्रदेश), आणंद (गुजरात), अहमदाबाद (गुजरात), और बठिंडा (पंजाब) में छह (6) नैनो यूरिया संयंत्रों की स्थापना और परिचालन किया गया है।

****